दिनांक : 25-10-23	प्र.स.प. - 2023 **A**	समय : 3 घंटे
कक्षा : ९वी	विषय : हिंदी (L.L)	कुल अंक - 80

सूचना : -

१) सूचना के अनुसार गद्य,पद्य,पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन(व्याकरण) की आकलन कृतियां में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

३) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है। ४)शुद्ध,स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग - १ गद्य

प्र.१ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) आकृति पूर्ण कीजिए। ०२

जुलिया की तनख्वाह

- जुलिया के अनुसार — ....
- गृहस्वामी के अनुसार — ....

२) परिच्छेद में आई एक पुस्तक का नाम, जिसमें रोज की घटनाएँ दर्ज होती है : ....

गृहस्वामी : जूलिया मैं तुम्हारी तनख्वााह का हिसाब करना चाहता हूँ। मेरे ख्याल से तुम्हें पैसों की जरुरत होगी; और जितना मैं तुम्हें जान सका हूँ,मुझे लगता है कि तुम अपने आप पैसे भी नही माँगोगी। इसलिए मैं खुद ही तुम्हें पैसे देना चाहता हूँ।हाँ तो तुम्हारी तनख्वाह तीस रुबल महीना तय हुई थी न?

जूलिया : (विनीत स्वर में, जी नहीं मालिक, चालीस रुबल।

गृहस्वामी : नहीं भाई, तीस ....ये देखो डायरी,(पन्ने पलटते हुए) मैंने इसमें नोट कर रखा है। मैं बच्चों की देखभाल और उन्हें पढ़ानेवाली हर गवर्नेस को तीस रूबल महीना ही देता हूँ। तुमसे पहले जो गवर्नेस थी, उसे भी मैं तीस रुबल ही देता था। अच्छा, तो तुम्हें हमारे यहाँ काम करते हुए दो महीने हुए हैं।

जूलिया : (दबे स्वर में) जी नहीं,दो महीने पाँच दिन।

गृहस्वामी : क्या कह रही हो जूलिया ?ठीक दो महिने हुए हैं। भाई, मैंने डायरी में सब नोट कर रखा है।हाँ,तो दो महीने के बनते है -अं:...... साठ रुबल। लेकिन साठ रुबल तभी बनते हैं जब महीने में तुमने एक दिन भी छुट्टी न ली हो.......तुमने इतवार को छुट्टी मनाई है। उस दिन तुमने कोई काम नहीं किया। सिर्फ कोल्या को घुमाने केलिए ले गई हो......और ये तो तुम भी मानोगी कि बच्चे को घुमाने के लिए ले जाना कोई काम नहीं होता.......इसके अलावा, तुमने तीन छुट् टियाँ और ली हैं। ठीक है न?

२) उत्तर लिखिए। २

१) जूलिया के दो काम - १) .... २) ....

२) जूलिया ने कुल इतने दिन काम किए -

अ) गृहस्वामी के अनुसार : ....

ब) जूलिया के अनुसार : ....

३) गद्यांश के आधार पर दो प्रश्न ऐसे बनाइए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो। २

अ) पैसो की ब) रुबल

४) यदि जुलिया की जगह आप होते, तो ....विषय पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में स्पष्ट कीजिए। २

प्र.१ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

धीरे -धीरे कई महीने बीत गए। श्रीमती भटनागर निराश हो चुकी थीं। उनकी हालत पागलों जैसी हो गई थी। हर रोज सुबह उठतीं और दरवाजे पर आकर खड़ी हो जातीं, जैसे वह डॉक्टर भटनागर के आने की प्रतीक्षा कर रही हों।

कई महीनों बाद एक दिन श्रीमती भटनागर ने दरवाजे पर फिर वैसी ही गाड़ी के पहियों के निशान देखे। उन्हें लगा कि शायद डॉक्टर साहब आए थे। लेकिन कहाँ हैं ?उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। खोज जारी हो गई। पुलिस का एक दल उनके घर पर भी आया। उसने गाड़ी के निशान देखे लेकिन उन निशानों को देखकर कुछ भी अंदाज लगाना कठिन था। हाँ, एक.सी.डी.अवश्य मिली,जो लिफाफे में बंद थी और उस पर श्रीमती भटनागर का नाम लिखा था। उस सी.डी को तुरंत सुनने की व्यवस्था की गई। सी.डी.बजते ही सभी लोग हतप्रभ रह गए। उसमें डॉक्टर भटनागर बोल रहे थे।

तुम सब लोग मेरे लिए परेशान होंगे। शायद अब मरा हुआ समझ लिया हो। लेकिन मैं जिंदा हूँ और बिलकुल ठीक हूँ। तुम लोगों से कई करोड़ मील दूर मैं एक अन्य सौर मंडल के ग्रह पर हूँ। हम धरतीवाले सोचते हैं कि शायद दुनिया में जो कुछ है, वह हम ही हैं लेकिन इस ब्रम्हांड में तो हमारे सूर्य जैसे न जाने कितने सूर्य हैं, और सभी के अपने -अपने ग्रह हैं। उन ग्रहों पर दुनिया बसी है और हमसे वे लोग कई गुना ज्यादा उन्नतिशील हैं। मुझे यहाँ आकर अपने परिवार मित्रों,देश और पृथ्वी से दूर का दुख तो बहुत ही ज्यादा है, लेकिन इस बात की खुशी है कि मेरा यह भ्रम जाता रहा कि दुनिया में सिर्फ हम ही हैं। मुझे उम्मीद है कि पृथ्वी के लोग मेरी इस बात से कुछ सबक लेंगे।

प्र.१ आ) १) संजाल पूर्ण कीजिए। ०२

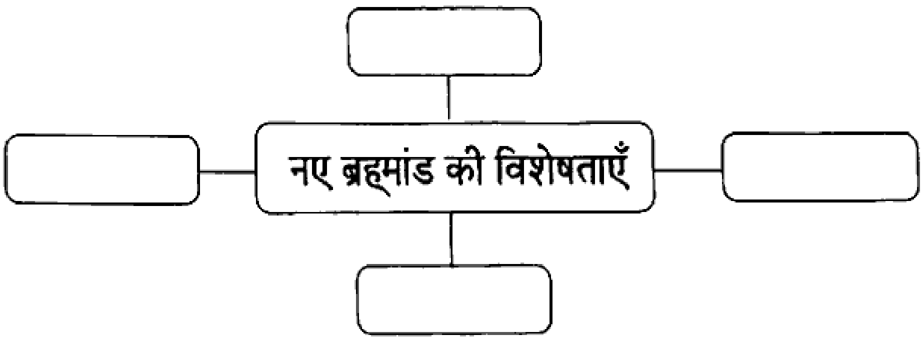

२) १) वाक्य पूर्ण कीजिए। ०२

अ) श्रीमती भटनागर को दरवाजे पर फिर से दिखाई दिए - ....

ब) पुलिस का एक दल आया - ....

३) १) निम्नलिखित शब्दों के विरुद् धार्थी शब्द लिखिए। ०१

अ) देश - ब) कठिन -

२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए। ०१

अ) पहिया - ब) ट्रक -

४) डॉक्टर भटनागर ने दिई हुई जानकारी अपने शब्दों में लिखिए। ०२

प्र.१ इ) निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

प्रदूषण एक प्रकार का धीमा जहर हैं, जो वायु,जल,ध्वनि आदि के माध्यम में प्राणियों,पशु-पक्षियों,पेड़ -पौधों तथा वनस्पतियों को बरबाद कर रहा है। इस पर अंकुश लगाना जरूरी हो गया है। कुछ कारगर उपाय करके इसमें कमी लाई जा सकती है। शहरों के नालों का गंदा पानी और

कारखानों का रासायनिक पानी और कचरा नदियों और झीलों में प्रवाहित करने पर रोक लगानी चाहिए। कारखानों की चिमनियों से निकलने वाले धुओं से पर्यावरण बचाव के लिए चिमनियों की उँचाई अधिक रखनी चाहिए। गाँवों में पेय जलवाले तालाबों और झीलों की स्वच्छता की व्यवस्था होनी चाहिए,ताकि इनके जल को प्रदूषित होने से बचाया जा सके। प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग करने से परहेज करना जरूरी है। इसके अलावा घर में टी.वी, संगीत साधनों, कार के हॉर्न आदि की आवाज हल्की रखनी चाहिए। समारोहों, उत्सवों मे पटाखों का उपयोग रोकना चाहिए तथा लाऊडस्पीकरों की आवाज पर अंकुश लगाना चाहिए। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकना चाहिए और अधिक -से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए। इसके साथ ही प्रदूषण से बचने के लिए लोगों में जागरुकता उत्पन्न करनी चाहिए। और प्रदूषण संबंधी सभी कानूनों का कड़ाई से पालन करनप चाहिए। इन उपायों के द्वारा प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

प्र. १ आकृतीबंध पूर्ण कीजिए। ०२

अ) [ ] — परिच्छेद में आए प्रदूषण के भेद — [ ]

ब) [ ] — प्रदूषण का इनपर परिणाम होता है। — [ ]

२) 'जल प्रदूषण' रोकने के लिए आप क्या उपाय करेंगे अपने शब्दों में लिखिए। ०२

विभाग - २ पद्य

प्र. २ अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह
है क्या ही निस्तब्ध निशा
है स्वच्छंद -सुमंद गंध वह
निरानंद है कौन दिशा ?
बंद नहीं, अब भी चलते हैं
नियति नटी के कार्य -कलाप।
पर कितने एकांत भाव से
कितने शांत और चुपचाप।।

१) अ) आकृती पूर्ण कीजिए।

१) चाँदनी रात की विशेषताएँ — [ ] [ ]

२) [ ] — नियति नटी के कार्य का ढंग — [ ]

२) पद्यांश के आधार पर वाक्य पूर्ण कीजिए।

अ) है स्वच्छंद .... ब) नियति नटी ....

३) प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए।

प्र.२ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

यह हार एक विराम है
जीवन महा-संग्राम है
तिल -तिल मिटूँगा पर दया की भीख मैं लूँगा नहीं।
वरदान माँगूँगा नहीं।।

स्मृति सुखद प्रहरों के लिए
अपने खंडहरों के लिए
यह जान लो मैं विश्व की संपत्ति चाहूँगा नहीं
वरदान माँगूँगा नहीं।।

क्या हार में क्या जीत में
किंचित नहीं भयभीत मैं
संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही।
वरदान माँगूँगा नहीं।।

१) आकृती पूर्ण कीजिए।

अ) [ ] — कवि भयभीत नहीं हैं — [ ]

ब) कवि जिसे मानते हैं एक विराम — [ ]

२) १) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। ०१

अ) संग्राम ब) भीख

२) अनेकार्थी शब्दों के अलग -अलग अर्थ लिखिए। ०१

हार → .... / ....

३) पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए। ०२

विभाग ३ : पूरक पठन

प्र.३) अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

दिसंबर - जनवरी की हाड़ कँपाती ठंड हो, झमाझम बरसती वर्षा या उमस भरी गरमी की रातें। हर मौसम में रात बारह बजे के बाद चौकीदार नाम का यह निरीह प्राणी सड़क पर लाठी ठोकते,सीटी बजाते;हमें सचेत करते हुए कॉलोनी में रातभर चक्कर लगाते रोज सुनाई पड़ता है।

हर महीने की तरह पहली तारीख को हल्के से गेट बजाकर खड़ा हो जाता है,

'साब जी, पैसे ?'

'कितने पैसे ? 'वह उससे पूछता है।

'साब जी, एक रुपया रोज के हिसाब से महीने के तीस रुपए। आपको तो मालूम ही हैं।'

'अच्छा एक बात बताओ बहादुर ,महीने में तुम्हें कितने घरों से पैसे मिल जाते हैं ?'

'साब जी यह पक्का नहीं है, कभी साठ घर से कभी पचास से। तीज -त्योहार पर बाकी घरों से भी कभी कुछ मिल जाता है। इतने में ठीकठाक गुजारा हो जाता है हमारा।'

१) आकृति पूर्ण कीजिए। ०१

अ) परिच्छेद में आए मौसम → [ ] / गरमी / [ ]

ब) चौकीदार की पैसे लेने की दर - ०१

२) 'रात के चौकीदार ' के बारे में अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए। ०२

प्र.३) आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

शोभा सदा बढ़ावन हारा। आँखिन से छिन होत न न्यारा।
आठ पहर मेरो मनरंजन। क्यों सखि साजन ? ना सखि अंजन ।।
जीवन सब जग जासों कहै। वा बिनु नेक न धीरज रहै।।
हरै छिनक में हिय की पीर। क्यों सखि साजन ? ना सखि नीर।।
बिन आए सबहीं सुख भूले। आए ते अँग -अँग सब फूले ।
सीरा भई लगावत छाती। क्यों सखि साजन ? ना सखि पाती।।

१) आकृति पूर्ण कीजिए। ०२

अ) जिसका नेत्रों से गहरा रिश्ता है - [ ]

ब) जिसके बिना तनिक भी धैर्य नहीं रहता - [ ]

२) 'जल ही जीवन है ' इस विषय पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए। ०२

विभाग - ४ भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) अधोरेखांकित शब्द का शब्द-भेद पहचानकर लिखिए। ०१

<u>जमुना</u> के पुल पर कुछ आदमी पकड़े गए।

२) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। ०

अ) हाथ

ब) धीरे धीरे

३) संधि शब्द का भेद और विग्रह कीजिए।(एक)

शब्द	संधि -विच्छेद	संधि -भेद
विद्यालय	....	....
दुरुपयोग	....	....

४) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक सहायक क्रिया को पहचानकर उसका मूल रुप लिखिए। ०१

अ) बिल्ली का बिलंगुडा एक तरफ भाग गया और लोग देखते रह गए।

ब) जुलिया, मैंने तुम्हें धोखा दिया है।

५) निम्नलिखित में से एक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रुप लिखिए। ०१

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रुप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रुप
अ) डरना	....	....
ब) चलना	....	....

६) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। ०१

अ) तंग आ जाना। ब) नामो निशान मिटाना।

अथवा

अधोरेखित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।

(चैन न मिलना , तरह देना)

इलाके के चोरों की बढ़ती हुई घटनाओं के कारण पुलिस बेचैनी अनुभव करती थी।

७) रेखांकित शब्दों का कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। ०१

अ) उद्योग के विकास से मशीनो की संख्या बढ़ रही है।

ब) इसके निर्माण में बीस वर्ष का समय लगा।

८) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए। ०१

हाँ तो पहले सुनो वह कहानी कि मैं कैसे आया।

९) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन कीजिए। ०२

१) वे डॉक्टर भटनागर के आने की प्रतिक्षा कर रही है। (सामान्य वर्तमानकाल)

२) तुम्हे इसी के तो पैसे मिलते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

३) सामने अमरु आता हुआ दिखाई दिया। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

१०) अ) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए। ०२

ब्रम्हांड में हमारे सूर्य जैसे न जाने कितने सूर्य हैं और सबके अपने-अपने ग्रह हैं।

ब) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। ०१

१)डॉक्टर साहब अपनी कार में गए। (निषेधार्थक वाक्य)

२) जुलिया यहाँ बैठी है। (आज्ञार्थक वाक्य)

११) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए। ०२

१) मइ आपके साथ चलेगा।

२) दरोगा ने बगल से निकालकर बेंत अपने हाथ में ले लिया

३) मुझे उम्मीद है कि पृथ्वी का लोग कुछ सबक लेगा

विभाग - ५ रचना विभाग

प्र.५ १) पत्र लेखन : - ०५

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्र-लेखन कीजिए।

१) अर्चित / अर्चिता भोसले, ५४,शांतिनगर ,नाशिक से अपने परिसर के उद्यान की दुर्दुशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए आयुक्त महानगर पालिका नाशिक को पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

शारदा / शरद इंगले, तुकाई सदन ,तिलक नगर, चालीसगाँव से व्यवस्थापक, मनुश्री पुस्तक भांडार, महात्मानगर, जलगाँव को हिंदी की पुस्तकें मँगवाने हेतु पत्र लिखती / लिखता है।

२) गद्य आकलन

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर परिच्छेद में एक -एक वाक्य में हों। ०४

प्रेम एक ऐसी अलौकिक शक्ति है, जिससे मनुष्य को अनंत लाभ होते हैं, प्रेम से मानसिक विकार दूर होते हैं, विचारों में कोमलता आती है, सद्गुणों की सृष्टि होती है, दुखों का नाश और सुखों की वृद्धि होती है और यहाँ तक कि मनुष्य की आयु भी बढ़ती है प्रेम से

मनुष्य को साहसी,धीर और सहनशील बनाता है। माता अपने बच्चों के लिए अनंत कष्ट सहती है और स्वयं सब प्रकार के दुख भोगकर उसे सुख देती है। माताओं को बहुधा ऐसी अवस्था में रहना पड़ता है, जिसमें यदि प्रेम का सहारा न हो,तो वे बहुत शीघ्र बीमार हो जाएँ, पर यह प्रेम उन्हें रोगी होने से बचाता है। उलटे शुद्ध प्रेम उन्हें बलिष्ठ और सुंदर बनाता है। बिना प्रेम के अच्छी सुख -सामग्री हमें तनिक भी प्रसन्न नहीं कर सकती, पर प्रेम की सहायता से हम बिना किसी सुख -सामग्री के भी परमसुखी हो सकते हैं। अत: प्रत्येक मनुष्य को अपना स्वभाव मिलनसार और प्रेमपूर्ण बनानां चाहिए।

प्र.५ आ) १) वृत्तांत लेखन - विवेकानंद विद्यालय, सोलापुर से संपन्न 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ 'अभियान का रोचक वृत्तांत लेखन ७० से ८० शब्दों में लिखिए। ०५

(वृत्तांत में स्थल ,काल , घटना का उल्लेख अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन - निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७०-८० शब्दों में कहानी लिखिए।

एक गाँव -----पीने के पानी की समस्या -----दूर -दूर से पानी लाना -----सभी लोग परेशान ------सभा का आयोजन -----मिलकर श्रमदान का निर्णय -----दूसरे दिन से -----केवल एक आदमी -----काम से जुटना -----धीरे -धीरे एक -एक का आना -----सारा गाँव श्रमदान में -----गाँव के तालाब की सफाई -----कीचड़,प्लास्टिक निकालना -----बरसात में तालाब का स्वच्छ पानी से भरना।

२) विज्ञापन लेखन ०५

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

बाजार में बेचने के लिए शरबत का प्रचार करना है।

● गर्मी से राहत ● चुस्ती - फुर्ती आए ●ताजगी लाए ●अमीरी शरबत

प्र.५ इ) निबंध लेखन : किसी एक विषयपर निबंध लिखिए। ०७

अ) मेरा प्रिय अध्यापक

ब) यदि रात न होती ....

क) मोबाईल की आत्मकथा